2024

HINDI

(Honours Generic/Regular Course)

Paper : HIN-HG/RC-2016

(मध्यकालीन हिन्दी कविता)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) कबीर के अनुसार राम कौन हैं?

(ख) कबीर भक्तिकाल के किस धारा के कवि हैं?

(ग) 'वात्सल्य-रस के सम्राट्' किन्हें कहा जाता है?

(घ) "ऊधौ बिहारो प्रेम करै।" यह काव्य-पंक्ति किस कवि की है?

(ङ) गोस्वामी तुलसीदास के गुरु कौन थे?

(च) 'पार्वतीमंगल' के रचयिता कौन हैं?

(छ) बिहारीलाल किस राजा के राजकवि थे?

(ज) बिहारीलाल का जन्म कहाँ हुआ था?

(झ) घनानंद किस सम्प्रदाय में दीक्षा लेकर कृष्ण भक्ति में लीन हुए थे?

(ञ) घनानंद रीतिकालीन किस काव्यधारा के कवि हैं?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) "कबीर एकै जानिया तौ जाना सब जाण।" यहाँ कवि क्या कहना चाहते हैं?

(ख) सूरदास के 'भ्रमरगीत-प्रसंग' की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

(ग) 'भरतविनय प्रसंग' की कोई दो शिल्पगत विशेषताएँ लिखिए।

(घ) "तंत्री-नाद कवित्त-रस, सरस राग, रति-रंग।" —का आशय क्या है?

(ङ) घनानंद के 'सुजान' कौन हैं?

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) कबीरदास की भाषागत विशेषताओं पर चर्चा कीजिए।

(ख) सूरदास के 'मुरली-वर्णन' प्रसंग के मूलभाव को अपने शब्दों में लिखिए।

(ग) 'विनय-पत्रिका' के महत्त्व का आकलन कीजिए।

(घ) "मेरी भव-बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ।
जा तन की झाई परै, स्यामु हरित-दुति होइ॥"
—संदर्भ सहित आशय स्पष्ट कीजिए।

(ङ) "प्रीति की रीति सु क्यौं समुझै जड़ मीत के पानि परे को प्रमाने।"
—उक्त पंक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(च) कबीर के राम और तुलसी के राम में निहित अंतर लिखिए।

4. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10

"जोग ठगौरी ब्रज न बिकैहै।
यह ब्योपार तिहारो ऊधो! ऐसोई फिरि जैहै।
जापै लै आए हौ मधुकर ताके उर न समैहै।
दाख छाँड़ि कै कटुक निबौरी को अपने मुँह खैहै?
मूरी के पातन के केना को मुकताहल दैहै।
सूरदास प्रभु गुनहिं छाँड़ि कै को निरगुन निबैहै॥"

अथवा

"झलकै अति सुन्दर आनन गौर,
छके दृग राजत काननि छ्वै।
हँसि बोलन मैं छबि फूलन की बरषा,
उर ऊपर जाति है ह्वै।
लट लोल कपोल कलोल करै,
कल कंठ बनी जलजावलि द्वै।
अंग-अंग तरंग उठै दुति की,
परिहै मनौ रूप अबै धर च्वै॥"

5. निम्नलिखित प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×3=30

(क) कबीरदास के समाज-सुधार पर प्रकाश डालिए।

अथवा

सूरदास की भक्ति-भावना की विशेषताओं पर चर्चा कीजिए।

(ख) तुलसीदास के काव्य में निहित लोकमंगल-भावना पर प्रकाश डालिए।

अथवा

गोस्वामी तुलसीदास की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए।

(ग) पठित दोहों के आधार पर बिहारीलाल के काव्य की भाव-पक्षीय विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

घनानंद की प्रेम-भावना पर सोदाहरण आलोकपात कीजिए।

★★★